भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3505

<u>दिनांक 17 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिये जाने के लिए</u>

मसाले का उत्पादन, उपभोग और निर्यात

3505. श्री सुधीर गुप्ता :
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री विवेक ठाकुरः

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत विश्व में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है:

(ख) चालू वित्त वर्ष के दौरान देश में मसालों का मात्रावार कुल कितना उत्पादन हुआ;

(ग) चालू वित्त वर्ष के दौरान कुल कितनी मात्रा में मसालों का निर्यात किया गया और इससे कितना राजस्व अर्जित हुआ;

(घ) क्या सरकार का किसानों की आय बढ़ाने के लिए देश में अधिक से अधिक किसानों को मसालों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने का विचार है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;
(च) सरकार द्वारा देश में मसालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अन्य क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं; और
(छ) क्या सरकार बिहार में मसालों के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना कार्यान्वित कर रही और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ग):** भारत दुनिया में मसालों का अग्रणी उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक राष्ट्र है। वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में मसालों का कुल उत्पादन 1,18,01,737 मीट्रिक टन रहा। भारत ने वर्ष 2023-24 में 36,958.80 करोड़ रूपये (4,464.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के 15,39,692 टन मसालों और मसाला उत्पादों का निर्यात किया।

(घ) से (च): देश में मसाला उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रमों के माध्यम से कई विकास कार्यक्रम कार्यान्वित किए जा रहे हैं जैसे एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई), परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई),प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (एनआरएम),मृदा हेल्थ कार्ड और ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार ।

मसाला बोर्ड अपनी "निर्यात विकास के लिए प्रगतिशील, अभिनव और सहयोगात्मक क्रियाकलापों के माध्यम से मसाला क्षेत्र में स्थिरता" योजना के जरिये इलायची के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसमें पुनः रोपण गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री का उत्पादन, जल स्रोतों और सूक्ष्म सिंचाई सुविधाओं का विकास और मौसम आधारित फसल बीमा संबधी सहयोग करना शामिल हैं।

(छ): उपर्युक्त बिंदु (घ) से (च) में उल्लिखित कार्यक्रम बिहार में मसाला उत्पादन के विकास और संवर्धन के लिए भी उपलब्ध हैं। मसाला बोर्ड अपनी योजना के अर्न्तगत भारत से मसालों के निर्यात संवर्धन के लिए विभिन्न क्रियाकलापों का संचालन करता है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ बाज़ार विकास और भारतीय मसालों की ब्रांडिंग, मसालों के प्रसंस्करण के लिए तकनीकी और अवसंरचना संबंधी कार्यकलाप और अंतर्राष्ट्रीय मेलों और आयोजनों में भागीदारी करना शामिल है। मसाला बोर्ड द्वारा अपनी योजना के अंतर्गत किए जाने वाले क्रियाकलाप बिहार के हितधारकों और निर्यातकों के लिए भी उपलब्ध हैं।

***